ओ मेरे प्रभु । । By Mukesh Bagda

ओ मेरे प्रभु, ओ मेरे प्रभु
दुनिया के पालनहार हो तुम
दीन दुखियों के आधार हो तुम
ओ मेरे प्रभु.....

मेरा जीवन मेरे मोहन
बिन तेरी कृपा किस काम का है
जो तेरी कृपा से चमक रहा
ये असर तुम्हारे नाम का है
ये असर तुम्हारे नाम का है
जीवन भर साथ रहे अपना
इस जीवन की पतवार हो तुम
दीन दुखियों के आधार हो तुम
ओ मेरे प्रभु.....

कोई ऐसा सेठ नहीं जग में
जो अपना माल लुटाता फिर
तू ऐसा सेठ मिला हमको
जो झोली सबकी सदा भरे
जो झोली सबकी सदा भरे
मैं तेरा दिया ही खाता हूँ
इस जीवन के संचार हो तुम
दीन दुखियों के आधार हो तुम
ओ मेरे प्रभु.....

मेरे दिल के अरमानो को
तुम पूरा करने वाले हो
है नाज़ हमें तुम पर कान्हा
दु:ख दर्द मिटाने वाले हो
दु:ख दर्द मिटाने वाले है
धीरज और धर्म तुम्ही से है
अपने भक्तों की लाज हो तुम
दीन दुखियों के आधार हो तुम
ओ मेरे प्रभु.....

अब एक प्रार्थना है तुमसे
भव सागर पार लगा देना
अपनी सेवा देकर कान्हा
मुझे चरणों से लिपटा लेना
मुझे चरणों से लिपटा लेना
नंदू अज्ञानी मूरख हम
सद्ज्ञान के तो भण्डार हो तुम
दीन दुखियों के आधार हो तुम
ओ मेरे प्रभु.....

%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81%e0%a5%a4-by-mukesh-bagda/